

HAU ने गेहूँ की कस्मि WH1270 का बीज भरपूर मात्रा में उपलब्ध करवाने के लिये 9 कंपनियों से कथिा समझौता

चरचा में क्यों?

26 अक्टूबर, 2022 को हरयिाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) हसिर के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने बताया क विश्वविद्यालय ने अगले सीजन में भरपूर मात्रा में बीज उपलब्ध करवाने के लिये पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के तहत तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए नजिी कषेत्र की 9 प्रमुख बीज कंपनियों से समझौता कथिा है।

प्रमुख बढि

- कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा क इस कस्मि की पैदावार व रोग प्रतरौधक कषमता को देखते हुए इसकी मांग अनूय राज्यों में भी लगातार बढ़ती जा रही है। इसके मद्देनज़र अगले सीजन में भरपूर मात्रा में बीज उपलब्ध करवाने के लिये विश्वविद्यालय ने नजिी कषेत्र की इन बीज कंपनियों से समझौता कथिा है।
- विश्वविद्यालय ने डबल्यूएच 1270 के बीज उत्पादन एवं वपिणन के लिये उत्तम सीड्स (हसिर), मॉडल एग्रीटेक इंडिया प्राइवेट लमिटिड (करनाल), कूरुक्षेत्र एग्रीटेक प्राइवेट लमिटिड (इंदरी), शवि गंगा हाइबरडि सीड्स प्राइवेट लमिटिड (हसिर), हरयिाणा सीड्स कंपनी (करनाल), कवालर्टि हाइबरडि सीड्स कंपनी (हसिर), काशतकार सीड्स वदिशिा (मध्य प्रदेश), उन्नत बीज कंपनी (सरिसा) और शकतविरधक हाइबरडि सीड्स प्राइवेट लमिटिड (हसिर) से समझौता कथिा है।
- वदिति है क विश्वविद्यालय की तरफ से वकिसति गेहूँ की कस्मि डबल्यूएच 1270 को देश के उत्तर-पश्चिमी मैदानी भाग के सचिति कषेत्र में अगेती बजाई वाली खेती के लिये अधसिचति कथिा गया है। इसमें पंजाब, हरयिाणा, दल्लिी, राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हसिसों को शामिल कथिा गया है।
- विश्वविद्यालय की सफिराशों के अनुसार इस कस्मि की बजाई करके उचति खाद, उरवरक व पानी दथिा जाए तो इसकी औसत पैदावार 75.8 क्वटिल प्रता हेक्टेयर हो सकती है और अधिकतम पैदावार 91.5 क्वटिल प्रता हेक्टेयर तक ली जा सकती है। इस कस्मि की खास बात यह है कथिह गेहूँ की मुख्य बीमारियों पीला रतवा व भूरा रतवा के प्रता रोगरोधी है।